(सत्र-3)अभिभावकों हेतु तीन माह के स्कूल रेडीनेस/बाल वाटिका कार्यकम की जागरूकता हेतु आयोजन - चहक

CHAHAK–(CHILDREN HAVING HAPPINESS IN AMBIANCE AND AQUIRING KNOWLEDGE)

चहक कार्यक्रम का उद्देश्य

- **तीन माह के स्कूल रेडीनेस/बाल वाटिका कार्यकम** बच्चों के लिए तैयार किया गया है जिसकी अवधि विद्यालयों में 3 माह की निर्धारित की गयी है । तीन महीने का यह विशेष कार्यक्रम कक्षा 1 के बच्चों के लिए बनाया गया है । खेल और गतिविधि आधारित यह पाठ्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा *विशेष रूप से प्रारंभिक साक्षरता और गणितीय बोध के विकास* में सहायता करेगा , जिससे वे आगे जाकर विद्यालय के पठन- पाठन एवं अन्य गतिविधियों से अच्छी तरह सामंजस्य बना पाने में सक्षम हो पाएंगे।
- इसके लिए आवश्यकता है –
  - तैयार बच्चे
  - **तैयार अभिभावक**
  - तैयार विद्यालय
  - टी.एल.एम. निर्माण एवं गतिविधियाँ
  - बाल वाटिका की आवश्यकता

तैयार अभिभावक

पिछली स्लाइड में बताये गए विषयो को ध्यान में रखते हुए अभिभावकों की विद्यालय की तैयारी उन्मुखीकरण हेतु **चहक कार्यक्रम** का **आयोजन दो बार** किया जायेगा

- पहली बार बच्चों के 3 माह में बालवाटिका विद्यालय तैयारी के संचालन से पूर्व एवं छात्र प्रवेश के समय
- दूसरी बार बाल वाटिका की समाप्ति यानि कि 3 महीने बाद

चहक कार्यक्रम बालवाटिका में प्रवेश से पूर्व

- कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर (प्राथमिक एवं कम्पोजिट) में किया जाएगा
- आंगनवाडी केंद्र एवं कक्षा 1के बच्चे व उनके अभिभावक शामिल होंगे (नोडल शिक्षक द्वारा यदि संयुक्त रूप से कक्षा 1 व 2 संचालित किया जा रहा है तो कक्षा 2 के अभिभावक भी सम्मिलित किये जाएँगे
- कार्यक्रम में **तीन माह के स्कूल रेडीनेस/बाल वाटिका कार्यक्रम के अंतर्गत** बच्चों के बालवाटिका में प्रवेश से पूर्व विद्यालय की तैयारी के लिए आवश्यक मुख्य बिंदु व व अभिभावकों की भूमिका पर चर्चा की जाएगी जैसे-
  - बच्चों की नियमित उपस्थिति
  - समय-समय पर बच्चों से घर पर विद्यालय में सिखायी गयी गतिविधियों के बारे में बातचीत
  - अध्यापक से समय-समय पर बच्चे की प्रगति के विषय में चर्चा करना

चहक कार्यक्रम का आयोजन बाल वाटिका की समाप्ति पर

- **तीन माह के स्कूल रेडीनेस/बाल वाटिका कार्यकम** की समाप्ति यानि कि 3 महीने बाद किया जाएगा
- जिसके अंतर्गत फिर से आंगनवाडी केंद्र एवं कक्षा 1के बच्चे व उनके अभिभावक शामिल होंगे (नोडल शिक्षक द्वारा यदि संयुक्त रूप से कक्षा 1 व 2 संचालित किया जा रहा है तो कक्षा 2 के अभिभावक भी सम्मिलित किये जाएँगे
- जिसमें अभिभावकों से बच्चों के बाल वाटिका में बिताएं गए 3 महीनों के दौरान हुए विकास पर बातचीत की जाएगी|
- साथ ही बच्चों द्वारा बनाई गयी रचनाओं आदि के बारे में भी बताया जाएगा जैसे बच्चों द्वारा कहानी पढ़ना,कविता पाठ आदि का प्रस्तुतीकरण (पोर्टफोलियो का अवलोकन कराया जाएगा)
- **कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को पुरुस्कृत भी किया जाएगा |**

धन्यवाद्

सत्र-5:तीन माह के बाल वाटिका कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु विद्यालय में विभिन्न हितधारकों की भूमिकायें

- विद्यालय में प्रधान अध्यापक की भूमिका
- नोडल शिक्षक संकुल की भूमिका
- नोडल अध्यापक की भूमिका
- ए.आर.पी. की भूमिका
- एस.आर.जी की भूमिका
- खंड शिक्षा अधिकारी की भूमिका
- जिला समन्वयक प्रशिक्षण (DCT)
- आंगनवाड़ी कार्यकत्री की भूमिका
- सीडीपीओ की भूमिका

खंड शिक्षा अधिकारी की भूमिका

- विकास खण्ड स्तर पर 3 माह के बाल वाटिका कार्यक्रम में विद्यालयी तैयारी में नेतृत्व प्रदान करना
- समय-समय पर पर्यवेक्षण करते हुए कार्यक्रम को गति प्रदान करना
- विकास खण्ड में शिक्षकों की विद्यालयवार संख्या के आधार पर रणनीति निर्धारण
- विकास खण्ड के न्यूनतम 40 % विद्यालयों को लैब एरिया के रूप में चिन्हित करते हुए लगातार सहयोग प्रदान करने में नेतृत्व

विद्यालय में प्रधान अध्यापक की भूमिका

- स्कूल रेडीनेस में दी गई गतिविधियाँ इस प्रकार हैं कि उन्हें प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 1 के बच्चों के साथ आसानी से किया जा सकता है
- स्कूल रेडीनेस प्रशिक्षित शिक्षक को कक्षा 1 हेतु नामित करना
- बच्चों के लिए स्कूल तैयारी गतिविधियों के संचालन के लिए एक संयुक्त योजना तैयार करने में शिक्षक और आंगनवाड़ी कार्यकत्री का सहयोग करें
- आंगनवाडी के 5 से 6 वर्ष के बच्चे व कक्षा 1 के बच्चों हेतु बाहरी खेल एवं स्वतन्त्र खेल की संयुक्त गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान करना
- शिक्षक एवं आंगनबाडी कार्यकत्री को मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें
- माता-पिता से नामांकन के महत्व के बारे में बात करें, और घर पर उचित शिक्षण हेतु सहायता प्रदान करें
- प्रधान अध्यापक कक्षा एक का अनुश्रवण व समर्थन देंगे व कोलोकेटेड आंगनवाड़ी केन्द्रों में विजिट के दौरान अनुश्रवण करेंगे कि आंगनवाड़ी कार्यकत्री केंद्र पर उपस्थित है नहीं
- अनुश्रवण के समय प्रधानाध्यापक इस बात का ध्यान रखेंगे कि आंगनवाडी कार्यकत्री ईसीसीई मैनुअल व आईसीडीएस द्वारा दिए गए संसाधन (पीएसई किट) का प्रयोग गतिविधियों में कर रही हो व उसे आवश्यक सहयोग प्रदान करें
- अभिभावकों से लगातार संपर्क में रहेंगे

नोडल शिक्षक संकुल की भूमिका

- नोडल शिक्षक संकुल अपने संकुल के सभी विद्यालयों में ये सुनिश्चित कराएं कि 3 माह का स्कूल रेडनेस कार्यक्रम का क्रियान्वयन हो रहा है या नहीं , अपनी पाक्षिक /मासिक बैठक में उक्त का विशेष अनुश्रवण बिंदु रखेंगे
- प्रधान अध्यापक द्वारा बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करायें
- प्रधान अध्यापक कैलेंडर के अनुसार बच्चों को गतिविधियां करवा रही है या नहीं यह सुनिश्चित करें
- आवश्यकतानुसार प्रधान अध्यापकों का क्षमतावर्धन करें
- को -लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्रों में अर्ली नुमेरेसी व अर्ली लिटरेसी की संयुक्त गतिविधियों पर आंगनवाड़ी कार्यकत्री व प्रधान अध्यापक का क्षमता संवर्धन करें

नोडल अध्यापक की भूमिका

- स्कूल रेडीनेस पर प्रशिक्षित नोडल अध्यापक द्वारा संचालन किया जाएगा
- नोडल अध्यापक बच्चों को सिखाने के लिए मुख्य अध्यापक होगा जो बाल वाटिका में 3 महीने के लिए बच्चों को सिखाएगा
- नोडल अध्यापक को यह सुनिश्चित करना होगा कि बाल वाटिका के लिए बनाए गए कैलेंडर के अनुसार ही बच्चों को गतिविधियां करवाई जा रही हैं
- नोडल अध्यापक बाल वाटिका कैलेंडर में दी गई गतिविधियों के अनुसार स्थानीय सामग्री से टी.एल.एम. बनाएगा

ए आर पी की भूमिका

- ए.आर.पी. बाल वाटिका में स्कूल रेडिनस कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु नोडल टीचर के क्षमता संवर्धन में सहयोग करेंगे एवं सपोर्टिव सुपर विज़न सुनिश्चित करेंगे
- ए.आर.पी. बाल वाटिका में स्कूल रेडिनस कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु संयुक्त गतिविधियों के लिए आंगनवाडी कार्यकत्री के क्षमता संवर्धन में सहयोग करेंगे

एस.आर.जी की भूमिका

- जनपद स्तर पर एस.आर.जी. यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक विकासखंड में 3 माह का स्कूल रेडीनेस - बाल वाटिका कार्यक्रम का क्रियान्वयन हो रहा हो
- इसके साथ वह यह भी सुनिश्चित करेंगे कि राज्य स्तर पर जो आवश्यक फीडबैक प्राप्त किया जा रहा है , वह प्रत्येक विद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हो
- जिला प्रशिक्षण शिक्षक संस्थान में बैठकों के समय स्कूल रेडिनस कार्यक्रम संचालन हेतु समीक्षा के बिंदुओं को निर्धारित करेंगे
- अपने सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में भी , पर्यवेक्षण के समय यथा आवश्यक अध्यापकों को भी सहयोग उपलब्ध कराएँगे
- एस.आर.जी. जिला समन्वयक प्रशिक्षण को समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों हेतु सहयोग प्रदान करें

जिला समन्वयक प्रशिक्षण (DCT)

- जनपद स्तर पर जिला समन्वयक प्रशिक्षण यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक विकासखंड में 3 माह का स्कूल रेडीनेस - बाल वाटिका कार्यक्रम का क्रियान्वयन हो रहा हो
- इसके साथ वह यह भी सुनिश्चित करेंगे कि राज्य स्तर पर जो आवश्यक फीडबैक प्राप्त किया जा रहा है , वह प्रत्येक विद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हो
- जिला प्रशिक्षण शिक्षक संस्थान में बैठकों के समय स्कूल रेड़िनस कार्यक्रम संचालन हेतु समीक्षा के बिंदुओं को निर्धारित करेंगे
- अपने सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में भी , पर्यवेक्षण के समय यथा आवश्यक अध्यापकों को भी सहयोग उपलब्ध कराएँगे

सी.डी.पी.ओ. की भूमिका

- सीडीपीओ मुख्य सेविका से आंगनवाड़ी केंद्रों के 5 से 6 वर्ष के बच्चे जो बाल वाटिका में नामांकित है ; की मॉनिटरिंग करेंगे
- सीडीपीओ मुख्य सेविका व आंगनबाड़ी कार्यकत्री का क्षमता संवर्धन करेंगे
- सीडीपीओ सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में ये सुनिश्चित कराएं कि ECCE गतिविधि केलेंडर का क्रियान्वयन हो रहा है या नहीं
- आंगनवाड़ी केंद्रों में आंगनवाडी कार्यकत्री द्वारा बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करायें
- आंगनवाड़ी कार्यकत्री कैलेंडर के अनुसार बच्चों को गतिविधियां करवा रही है या नहीं यह सुनिश्चित करें
- आवश्यकतानुसार मुख्य सेविका व आंगनवाडी कार्यकत्री का क्षमतावर्धन करें
- को -लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्रों में अर्ली नुमेरेसी व अर्ली लिटरेसी की संयुक्त गतिविधियों पर आंगनवाड़ी कार्यकत्री व प्रधान अध्यापक के मध्य समन्वय स्थापित करने में सहयोग देंगे

आंगनवाड़ी कार्यकत्री की भूमिका

- नोडल अध्यापक के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पी.टी.एम. का आयोजन करेंगी जिसमें आंगनवाड़ी केंद्र के 5 से 6 वर्ष के बच्चों को शामिल करेंगी
- संयुक्त गतिविधियों के संचालन में कक्षा 1 के शिक्षक का सहयोग करें
- प्रधानाध्यापक और नोडल शिक्षक के साथ नियमित संपर्क बनाए रखें
- ईसीसीई दिवस पर प्रधानाध्यापक और नोडल शिक्षक को आमंत्रित करें
- आई.सी.डी.एस. द्वारा दिए गए गतिविधि कैलेंडर के अनुसार गतिविधि करेंगी
- आई.सी.डी.एस. द्वारा प्री स्कूल किट में दिए गए रिसोर्सेज का प्रयोग करेंगी
- गतिविधियों के लिए टी.एल.एम का प्रयोग करेंगी
- नोडल टीचर के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कक्षा 1 व आंगनवाडी केंद्र के 5 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए संयुक्त गतिविधि का आयोजन करेंगी

- सत्र - 6 खुला सत्र

धन्यवाद्